उत्तर प्रदेश में भी शराबबन्दी आन्दोलन

भारतीय आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में 26 सितम्बर 1992 से राष्ट्रीय शराबबन्दी अभियान शुरू किया गया जिसके अन्तर्गत स्वामी इन्द्रवेश जी के नेतृत्व में दिल्ली से एक बहुत बड़ा काफिला पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर रवाना हुआ। यह अभियान पिछले दिनों केवलानंद निगमाश्रम, गंज बिजनौर में आयोजित एक आर्य सम्मेलन में लिये गये निर्णय के अनुपालन में किया गया। यह इस अभियान का प्रथम चरण था जिसमें भाग लेने वालों में मुख्य नेता थे- स्वामी अग्निवेश, स्वामी आदित्यवेश, स्वामी वरुणवेश, जगवीर सिंह, विरजानन्द, बलजीत सिंह आर्य, आचार्य यशोवर्धन, रामधारी शास्त्री, व्यायामाचार्य जयवीर, आचार्य गजेन्द्र, प्रो. श्योताज सिंह, महात्मा दिलीप मुनि, स्वामी सत्यदेव धर्मार्थी, भगत मंगतू राम, महेन्द्र सिंह शास्त्री। लोनी बार्डर पर एक विशाल सभा का आयोजन कर वक्ताओं ने शराब के विरुद्ध खुलकर विचार प्रकट किये व उत्तर प्रदेश सरकार की निन्दा की। यहाँ स्थित शराब ठेके पर जबरदस्त प्रदर्शन किया गया। लोगों से शराब न पीने का संकल्प लिया गया व अपील की गई कि अपने यहाँ से ठेका खत्म कराने के लिए संघर्ष करें। वक्ताओं ने हरियाणा में चल रहे शराबबंदी आन्दोलन की सफलताओं से श्रोताओं को परिचित भी कराया।

आर्य नेताओं का यह काफिला लोनी से चलकर खेकड़ा, बागपत, सरूरपुर कलां, बड़ौली होता हुआ रात को बड़ौत पहुँचा जहाँ मेन बाजार में भारी शराबबन्दी सम्मेलन हुआ। 27 सितम्बर को बिजरौल, बामडोली, कान्हड़, दाहा आदि बड़े-बड़े गाँवों में प्रचार करते हुए काफिला सायं निरपुड़ा पहुँचा। बिजरौल का सम्मेलन बेहद सफल रहा जिसमें स्थानीय विधायक डॉ0 महक सिंह का समर्थन मिला। 28 सितम्बर को मिडकाली, बिटावदा, बुढ़ाणा, शाह डब्बर, शाहपुर, काकड़ा आदि गाँवों में आयोजित विशाल सभाओं को सम्बोधित कर यह अभियान-यात्रा मुजफ्फरनगर पहुँची जहाँ रात को शिव मन्दिर चौराहे पर सम्मेलन आयोजित किया गया। 29 सितम्बर को सहावली, सिखैड़ा, जानसठ, मीरांपुर, घटायन तथा कुतुबपुर में सम्मेलन किये गये। सिखैड़ा व जानसठ के इण्टर कालेजों में स्वामी इन्द्रवेश जी के आह्वान पर छात्रों ने शराबबंदी आन्दोलन में सहयोग देने का आश्वासन दिया। 30 सितम्बर को रसूलपुर गढ़ी, सिखरैड़ा, देवल, धर्मनगरी, मण्डावली होते हुए अभियान यात्रा बिजनौर पहुँची। पहली अक्तूबर को प्रातः आदमपुर गाँव में यज्ञ हुआ फिर सूवाहेड़ी, कीरतपुर, लल्लूवाला (नजीबाबाद), मंडावली होते हुए रात को यात्रा कांगड़ी गाँव पहुँची जहाँ बेहद सफल सम्मेलन हुआ। 2 अक्टूबर को अभियान यात्रा का समापन सुभाष घाट, हर की पौडी, हरिद्वार में हुआ। यहाँ एकत्र भारी भीड़ से स्वामी इन्द्रवेश और स्वामी अग्निवेश ने अपील की कि इस शराबबंदी आन्दोलन को पूरे देश में फैलाने में आप सहायक बनें।

इस पूरी अभियान यात्रा को सफल बनाने का सर्वाधिक श्रेय स्वामी ओमवेश जी को जाता है जिन्होंने स्थानीय नेताओं व प्रतिष्ठित किसानों को प्रेरित कर हर जगह सम्मेलन कराये, भोजन व आवास की व्यवस्था सुचारू रूप से कराई। स्थानीय अखबारों में भी इस शराबबंदी अभियान यात्रा की काफी चर्चा रही। इस प्रकार उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शराबबंदी अभियान यात्रा का यह प्रथम चरण पूर्ण हुआ।

राजस्थान में शराबबन्दी आन्दोलन

राष्ट्रीय शराबबंदी अभियान यात्रा के दूसरे चरण में 4 अक्टूबर 1992 को राजस्थान के अलवर जिले से शुरू होकर 10 अक्टूबर को जोधपुर पहुँची। मार्ग में आये अनेक नगरों व गाँवों में शराबबंदी का आह्वान करते हुए यह यात्रा जोधपुर पहुँची जहाँ राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का भव्य तीन दिन का आयोजन आर्य वीर दल की ओर से हो रहा था। 9 अक्टूबर को नशाबंदी सम्मेलन हरियाणा शराबबन्दी संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री रामधारी शास्त्री की अध्यक्षता में यहाँ हुआ जिसे पूर्व केन्द्रीय मन्त्री श्री नाथूराम मिर्धा, स्वामी आदित्यवेश, बनारसी सिंह विजयी (बिहार), महेन्द्र सिंह 'एडवोकेट' (राजस्थान), प्रेमपाल शास्त्री, महेन्द्र सिंह शास्त्री, शिवराम विद्यावाचस्पति ने सम्बोधित किया और सहदेव बेधड़क, नारायण सिंह माणकलाव आदि भजनोपदेशकों ने इसे मधुर गीतों से रसमय बनाया।